Central Water Commission
Technical Documentation Directorate
Bhagirath(English)& Publicity Section
****

West Block II, Wing No-5
R K Puram, New Delhi – 66.

Dated 27.04.2018

Subject: Submission of News Clippings.

The News Clippings on Water Resources Development and allied subjects are enclosed for perusal of the Chairman, CWC, and Member (WP&P/D&R/RM), Central Water Commission. The soft copies of clippings have also been uploaded on the CWC website.

SPA (Publicity)
27/4/2018

Encl: As stated above.

Deputy Director (Publication)
27/4/2018

For information of Chairman &Member (WP&P/D&R/R.M.), CWC and all concerned, uploaded at www.cwc.nic.in

Covering L., YIS

News item/letter/article/editorial published on 27.07.2018 in the

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.) ✓
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald
M.P.Chronicle
A a j (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English) & Publicity Section, CWC

Temp hits new high for season

TIMES NEWS NETWORK

New Delhi: Delhi's scorching hot weather continued on Thursday with the maximum temperature eclipsing Wednesday's season high of 41.6 degrees Celsius to be recorded at 42 degrees Celsius at Safdarjung–three notches above normal for the season.

This was also the season's highest at Palam where the maximum temperature touched 43.9 degrees Celsius. Maximum temperature at Ayanagar was 42.4 degrees Celsius, while Lodhi Road and Ridge recorded 40.4 and 40.6 degrees Celcius respectively.

Met officials, however, have forecast respite on Friday with light rain expected aoross NCR during evening and night time.

Officials from the regional Met office said the rain was likely to affect the eastern side of NCR more with some parts only receiving a drizzle, however it may bring down the maximum temperature to 38 degrees Celsius.

"East Delhi, Ghaziabad and Noida will be affected more by the rain, but most parts will see light rain or a drizzle. Friday morning should be cloudy and the temperature will not be as high as the last two days," said Kuldeep Srivastava, scientist at the regional met office.

On Thursday, along with the intense heat, the humidity also remained high — oscillating between 26 and 88% in the last 24 hours.

CITY SIMMERS

The India Meteorological Department (IMD), in its annual summer forecast recently, had said that while temperatures in the months of April, May, June and July are expected to be above normal this year, it is not likely to be as hot as last year. The capital had recorded a maximum of 43.2 degrees Celsius last year in April at Safdarjung.

Capital hits a high of 42°C

The scorching weather in Delhi continued on Thursday with the maximum temperature (42°C) eclipsing Wednesday's season high of 41.6°C. Light rain is expected across NCR from Friday evening. **P6**

News item/letter/article/editorial published on 27.07.2018 in the

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi) ✓
Deccan Chronicle
Deccan Herald
M.P.Chronicle
A a j (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC

पाइप में सुराख कर पंपिंग सेट से निकाला पानी

गुजरात में नर्मदा बांध से पानी चोरी, 8 मामले दर्ज

पत्रिका ब्यूरो
rajasthanpatrika.com

गांधीनगर . इस साल एक तरफ पानी की कमी से गुजरात जूझ रहा है, वहीं, नर्मदा बांध से पानी 'चुराने' पर राज्य के किसानों के खिलाफ 8 एफआइआर दर्ज की गई हैं। एफआइआर सौराष्ट्र के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में अप्रैल में दर्ज हुईं। इनमें से 7 राज्य सरकार के स्वामित्व वाली गुजरात वाटर इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड की मोटी पाईपों में सुराख करके पंपिंग सेट से पानी निकालने को लेकर है। यानी पेयजल का इस्तेमाल सिंचाई के लिए किए जाने पर केस दर्ज हुए हैं।

इन जगहों पर एफआइआर

सात एफआइआर भावनगर, सुरेंद्रनगर और जामनगर में हुई। इनमें से सबसे ज्यादा छह एफआइआर भावनगर में हुई हैं।

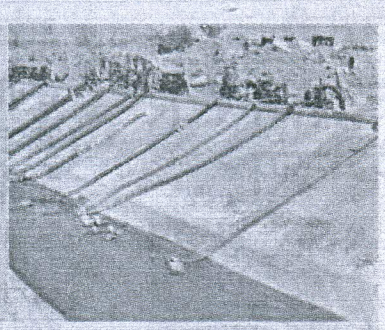

सौराष्ट्र व कच्छ को जाता है पेयजल

राज्य सरकार के स्वामित्व में आने वाली ये पाइपलाइनें सौराष्ट्र और कच्छ में पेयजल के लिए नर्मदा का पानी ले जाती हैं। बताया जा रहा है कि जब इस पेयजल का इस्तेमाल सिंचाई के लिए बड़ी मात्रा में किया गया, तब यह कार्रवाई हुई।

बोर्ड से ज्यादा केस राज्य सरकार द्वारा

इस मामले में सबसे खास बात यह है कि सबसे ज्यादा एफआइआर राज्य सरकार द्वारा कराई गई है, जो गुजरात वाटर सप्लाई एंड सीवरेज बोर्ड द्वारा पेयजल चुराने से संबंधित एफआइआर से भी कहीं ज्यादा है। बीते साल सिर्फ चार एफआइआर ही हुई थी।

3000 किमी लंबा पाइप लाइन नेटवर्क

गुजरात वाटर इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (जीडब्ल्यूआइएल) का नर्मदा की पानी पहुंचाने के लिए करीब 3000 किमी लंबा नेटवर्क है। जबकि बोर्ड का छोटी पाइपलाइनों का नेटवर्क करीब एक लाख किमी लंबा है। जो सौराष्ट्र और कच्छ में पेयजल आपूर्ति कराती हैं।

पानी की है कमी

दरअसल, इस साल मध्य प्रदेश और गुजरात के जिन इलाकों से नर्मदा गुजरती है, वहां पर पानी की काफी कमी हुई है। गुजरात में नर्मदा पानी का अहम स्रोत है, ऐसे में राज्य सरकार ने 31 जुलाई तक पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित कराने के लिए कई कदम उठाए हैं।

News item/letter/article/editorial published on 27.4.2018 in the

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi) ✓
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald
M.P.Chronicle
A a j (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC

यमुना नदी प्राधिकरण के गठन का प्रस्ताव

पंजाब - 27-4-18

- नदी को पुनर्जीवित करने के लिये कदम नहीं उठाये गए तो दिल्ली को केप टाउन जैसी स्थिति का सामना करना पड़ सकता है : नीति आयोग

नई दिल्ली, (भाषा): नीति आयोग ने यमुना नदी प्राधिकरण के गठन का प्रस्ताव किया है। इसका मकसद नदी की सफाई के लिये विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा किये जा रहे कार्यों में तालमेल और उन्हें एकजुट करना होगा। आयोग के उपाध्यक्ष राजीव कुमार ने आज यह बात कही। कुमार ने कहा कि नदी को पुनर्जीवित करने के लिये अगर कदम नहीं उठाये जाते, दिल्ली को केप टाउन जैसी स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। दक्षिण अफ्रीका का तटवर्ती शहर केप टाउन 2015 से जल संकट से जूझ रहा है। अटल इनोवेशन मिशन के 'अटल न्यू इंडिया चैलेंज' कार्यक्रम शुरू किये जाने के मौके पर कुमार ने कहा, ''मुझे नहीं पता कि हममें से कितने इस बात से अवगत हैं कि हम इस शहर में कितने गंभीर खतरे का सामना कर रहे हैं। यमुना नदी की क्या स्थिति है और भूमिगत जल की स्थिति कितनी खराब हो चुकी है।''

उन्होंने कहा, ''यह स्थिति हो सकती है और मैं कोई बढ़ा-चढ़ाकर बातें नहीं कर रहा। अगले लगभग 15 साल में हम पूरी तरह से जल से महरूम हो सकते हैं।